पवित्रा अग्रवाल

आसमान से गिरे

भाग्या ने अपनी नन्द से कहा-- "अक्का(बहन) अपने अन्ना (भाइ)को देखो मकान के कागजां मैं अलमारी में रखी थी मालुम नहीं कब उठाके लेके गया। अब उसे बेच के या गिरवी रख के सब रुपया जुआ और दारू मे उड़ा देता।...क्या करना मैं तो बेजार हो गई।अभी दो बच्चियों की शादी करने को है पर वो कुछ समझता नहीं।'

"वदीने (भाभी) तू परेशान नको हो...मैं हूँ न ,तेरी पैद्दा (बड़ी) बच्ची की शादी तो मैं अपने बच्चे से करती बोली न...बस फिर एक बच्ची बचती, हो जाती उसकी बी।मकान के वास्ते परेशान नको हो...ऐसा कैसे बेच देता...तू देख मै क्या करती। अन्ना कु समझा के वो मकान तेरी बड़ी बच्ची के नाम करा देती...फिर वो मकान कैसा बेचता ?'

इस तरह भी मकान अपने हाथ से जाता देख के भाग्या ने कहा--

"नक्को अक्का तुम रहने दो, उसको मैंइच देखती ।'

(आंध्र प्रदेश में लड़की की शादी बुआ के बेटे से हो जाती है)

एक ही शर्त

डोर बैल की आवाज सुन कर दरवाजा खोला तो वहां एक स्त्री –पुरुष को खड़ा पाया .सौरी मेम आप को डिस्टर्ब किया ,आपका कोई फ्लैट खाली है क्या ?'' आपको कैसे पता चला ?' 'कुछ दिन पहले अखबार में विज्ञापन देखा था . अभी भी है या चला गया ?'' अभी है '

'हम देख सकते हैं ? हम पति पत्नी हैं .यह लोकेशन हमें बहुत सूट कर रही है .यहाँ से बच्चों के स्कूल और हमारे ऑफिस दोनों पास हैं '

'हाँ यह चाबी लें और तसल्ली से सेकिंड फ्लोर पर जा कर देख लें और जाते समय यह चाबी हमें देते जाइएगा ,'

'पर एक बात हम पहले ही बता दें ,हम मुस्लमान हैं आप हमें देंगी ?'

' हिन्दू ,मुसलमान से हमें मतलब नहीं है पर एड में साफ लिखा है कि केवल वेजिटेरियन ही संपर्क करें ,आपने भी पढ़ा होगा ?'

'हाँ मेंम पढ़ा था पर यह जगह हमें बहुत सूट कर रही है इसलिए आप से बात करने चले आये...हम वेजिटेरियन तो नहीं हैं पर आप से प्रोमिज करते हैं कि यहाँ नानवेज नहीं बनायेंगे ,जब खाना होगा तो बाहर जाकर खा आयेंगे .'

'ऐसा भी कहीं होता है ,वैसे भी यह साधारण सा फ्लैट है .इस के लिए आप अपना खानपान क्यों बदलेंगे ,ऐसे बहुत मिलेंगे आप को .'

'अच्छा हम मुस्लमान हैं इसलिए आप हमें नहीं देना चाहतीं ? '

' अब आप को जो समझाना है समझिये . हमारी तो एक ही शर्त है कि किरायेदार वेजिटेरियन होना चाहिए और यह बात एड में साफ साफ लिखी है ,सॉरी .'

महादेवपुरा, बेंगलौर

ISSN:2583-8849